दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 17 मई 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 225

## अंतर्राष्ट्रीय

### भारत का तालिबान के साथ बड़ा कूटनीतिक दांव, जयशंकर ने पहली बार अफगान विदेश मंत्री से की बातचीत

**तालिबान ।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ बातचीत की और 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करने के लिए उनकी सराहना की, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके अलावा, जयशंकर ने हाल ही में पाकिस्तान की तरफ से अफगान क्षेत्र पर मिसाइल हमले करने के आरोपों को झूठी और निराधार रिपोर्टों के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने वाली खबरों पर बात की। जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में बताया है कि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मुत्तकी से आज काफी अच्छी बात हुई है। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की है जिसकी हम तारीफ करते हैं। हाल ही में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास फैलाने की कोशिशों को जिस तरह से उन्होंने खारिज किया है, उसका भी स्वागत करते है।

### 'मैंने जंग नहीं रुकवाई, लेकिन' भारत-पाकिस्तान सीजफायर वाले बयान पर ट्रंप के बदले तेवर

**न्यूयॉर्क ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता नहीं कराई। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच तनाव का समाधान निकालने में मदद की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर अब कुछ बदले-बदले से लग रहे हैं। गुरुवार को कतर में अमेरिकी सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, मैं नहीं कहना चाहता कि ये मैंने किया, लेकिन मैंने जरूर मदद की कि भारत और पाकिस्तान के बीच मामला शांत हो। हालात काफी बिगड़ते जा रहे थे, और किसी भी वक्त दोनों तरफ़ से मिसाइलें चल सकती थीं, लेकिन हमने मामला संभाल लिया। ट्रंप का यह हालिया बयान भारत की आपत्ति के बाद आया है। दरअसल, जब ट्रंप ने पहले यह दावा किया था कि उन्होंने भारत-पाक संघर्ष में मध्यस्थता कर युद्धविराम कराया, तो भारत ने कड़ा ऐतराज जताते हुए स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान के साथ किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं हो सकती। ट्रंप ने दावा किया कि था कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, तो मामला युद्ध की तरफ बढ़ रहा था। लेकिन अमेरिका की कोशिशों से 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्धविराम का ऐलान हो सका। हालांकि, भारत ने इस दावे को पूरी तरह नकार दिया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कहा, भारत-पाकिस्तान के रिश्ते पूरी तरह द्विपक्षीय हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। भारत का रुख वर्षों से स्पष्ट है कि पाकिस्तान से बातचीत केवल आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की वापसी पर ही होगी।

### तुर्की पर भारत सरकार का बड़ा एक्शन, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज का सिक्योरिटी क्लियरेंस किया रद्द

**तुर्की ।** भारत सरकार ने तुर्किए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए तुर्की एयरपोर्ट की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विस की सिक्योरिटी क्लीयरेंस रद्द कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विस भारत के 8 एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग की सर्विस देती है। हाल ही में मुंबई में शिंदे गुट के एक प्रतिनिधिमंडल ने 13 मई को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें मांग की गई थी कि मुंबई एयरपोर्ट तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज के साथ अपना संबंध समाप्त कर दे। सेलेबी मुंबई एयरपोर्ट पर लगभग 70 फीसदी ग्राउंड ऑपरेशन संभालती है। इसमें यात्री सेवाएं, लोड नियंत्रण, उड़ान संचालन, कार्गो और डाक सेवाएं, गोदाम और पुल संचालन शामिल हैं। सीमा पर तनाव में पाकिस्तान को ड्रोन भेजने के बाद भारत में तुर्किए का पुरजोर विरोध हो रहा है। टर्की सेब से लेकर ड्रायफ्रूट और मार्बल ले लेकर अन्य सामना तक का बहिष्कार किया जा रहा है और तो और तुर्किए जाने वाले भारतीयों ने वहां की बुकिंग भी कैंसिल कर दी है। इससे तुर्किए को टूरिज्म सेक्टर में तगड़ा झटका लगा है।

# जयपुर में मिला 2,075 किलो विस्फोटक, अत्यंत संवेदनशील श्रेणी का निकला, दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस को अब तक नहीं मिला मकसद

**जयपुर । आरएनएस**

राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बड़े सुरक्षा संकट की आशंका ने जन्म ले लिया है। बीते 10 मई को जयपुर-भरतपुर नेशनल हाईवे (NH-21) पर बस्सी टोल के पास एक पिकअप वाहन से 2,075 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। पुलिस जांच में अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस विस्फोटक का उद्देश्य क्या था, इसे जयपुर में क्यों लाया गया, और इसका कहां उपयोग किया जाना था। अब तक की कार्रवाई : दो गिरफ्तारियां

पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बस्सी थाना क्षेत्र के एसआई मनोज के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में रामजीलाल बलाई निवासी हाथीपुरा, तूंगा (जयपुर), कृष्ण कुमार मीणा, निवासी खानवास, दौसा शामिल हैं। रामजीलाल पिकअप वाहन को एस्कॉर्ट कर रहा था, जबकि कृष्ण कुमार उस पिकअप में खलासी के रूप में मौजूद था।

दोनों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने विस्फोटकों के अवैध परिवहन की बात स्वीकार की है, और खुलासा किया है कि वे पिछले कई वर्षों से इस धंधे में सक्रिय हैं।

विस्फोटक की प्रकृति : अत्यंत संवेदनशील और प्रतिबंधित

इस पूरे मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब क्कश्वस्ह्र द्वारा जब्त विस्फोटक की जांच में उसे अत्यंत संवेदनशील और प्रतिबंधित श्रेणी का पाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह का विस्फोटक किसी भी रूप में उपयोग करना पूर्णत: अवैध है।

पुलिस द्वारा सीज की गई पिकअप में कुल 63 कार्टन और 10 सफेद प्लास्टिक के कट्टे थे। कार्टनों पर OPTISTAR EXPLOSIVE और कट्टों पर Ammonium Nitrate लिखा हुआ था — ये दोनों ही औद्योगिक और आतंकी उपयोग दोनों में इस्तेमाल होने वाले खतरनाक रसायन माने जाते हैं।

वाहन मालिक का अब तक नहीं मिला कोई सुराग

पिकअप वाहन के नंबर के आधार पर उसकी पहचान ईश्वर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह रावत, निवासी शिवपुर नरेली मांडल, भीलवाड़ा के रूप में हुई है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि वाहन मालिक से अब तक कोई संपर्क नहीं हो पाया है और वह गायब है।

पुलिस के लिए अब तक अनुत्तरित सवाल

मामले की गंभीरता को देखते हुए कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं:

विस्फोटक जयपुर में क्यों लाया गया था?

कहां से लाया गया और किसे सप्लाई किया जाना था?

क्या इसके पीछे कोई बड़ा आतंकी नेटवर्क है?

क्या यह किसी बड़े आतंकी हमले की तैयारी थी?

क्या इसमें अंतरराष्ट्रीय तत्त्व शामिल हैं?

पुलिस का दावा: बड़े नेटवर्क की कड़ियां मिलनी शुरू

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने ऐसे दर्जनों नामों का खुलासा किया है जो इस अवैध विस्फोटक नेटवर्क से जुड़े हैं। ये लोग नियमित रूप से विस्फोटकों की सप्लाई लेते रहे हैं। इन जानकारियों के आधार पर पुलिस ने इस नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए विशेष टीमें गठित की हैं और राज्य व केंद्र की खुफिया एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर खतरा

2075 किलो विस्फोटक की मात्रा मामूली नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस मात्रा का विस्फोटक किसी औद्योगिक ब्लास्टिंग या खनन कार्य से कई गुना अधिक है। यदि इसका उपयोग आतंकी गतिविधियों में किया जाता, तो यह सैकड़ों जानें ले सकता था और भारी तबाही मचा सकता था।

PESO की रिपोर्ट का इंतजार

PESO की प्रारंभिक जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद सामग्री की रासायनिक संरचना क्या है और उसका विस्फोटक क्षमता स्तर क्या था। इस आधार पर कानूनी कार्रवाई और साजिश के संभावित स्वरूप की दिशा तय की जाएगी।

## तरनतारन में 595 करोड़ की हेरोइन जब्त, आईएसआई से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का पर्दाफाश; यूके हैंडलर लल्ली नेटवर्क का मास्टरमाइंड

**तरनतारन । आरएनएस**

पंजाब पुलिस को 2025 की अब तक की सबसे बड़ी नार्को कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। तरनतारन पुलिस ने पाकिस्तान से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 85 किलो हेरोइन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 595 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पुलिस की कार्रवाई में खुलासा हुआ है कि यह ड्रग नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के संरक्षण में काम कर रहा था। इसकी कमान यूके स्थित तस्कर लल्ली के हाथों में थी, जो भारत में मौजूद एजेंटों के जरिये ड्रग्स की डिलीवरी और सप्लाई करवा रहा था।

इस सिंडिकेट के भारत स्थित मुख्य एजेंट अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अमरजोत अमृतसर (ग्रामीण) के गांव भिट्टेवाड़ का रहने वाला है। पुलिस जांच में पता चला कि वह पाकिस्तान से हेरोइन की खेप मंगवा कर पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। उसका घर इस नेटवर्क का मुख्य अड्डा बन चुका था।

तरनतारन पुलिस ने अमरजोत के ठिकाने से 85 किलो हेरोइन बरामद की, जो पंजाब में अब तक की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है। इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज कर ली गई है और जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ड्रग रैकेट की जड़ें पाकिस्तान में हैं और इसके पीछे आईएसआई का सीधा समर्थन होने के संकेत मिले हैं। वहीं, यूके में बैठा तस्कर लल्ली इस नेटवर्क का संचालन करता था और भारत में मौजूद एजेंटों को निर्देश भेजता था। तरनतारन के एसएसपी अभिमन्यु राणा ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि, यह कार्रवाई हमारी जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। हम ड्रोन, सुरंगों और अन्य माध्यमों से हो रही सीमा पार तस्करी पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।

## जालंधर में बिहार निवासी युवक गिरफ्तार, 4 फोन बरामद; भारत-पाक युद्ध के कई संदिग्ध फोटो-वीडियो और न्यूज लिंक मिले

**जालंधर । आरएनएस**

पंजाब के जालंधर शहर से गुजरात पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चार मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए मोबाइल में भारत-पाकिस्तान युद्ध से संबंधित संदिग्ध वीडियो, न्यूज लिंक और कुछ फोन नंबर भी पाए गए हैं। आरोपी की पहचान मोहम्मद मुर्तजा अली के रूप में हुई है, जो बिहार का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से जालंधर के भार्गव कैंप इलाके में किराए के मकान में रह रहा था।

हालांकि, पुलिस का प्रारंभिक बयान है कि आरोपी को साइबर फ्रॉड के केस में गिरफ्तार किया गया है। लेकिन उसके पास से मिले संदिग्ध डेटा ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक बड़े सवाल की ओर मोड़ दिया है। गुजरात की गांधीनगर पुलिस और एटीएस की टीमें अब इस मामले की गहन जांच में जुट गई हैं।

सूत्रों की मानें तो आरोपी के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से भी जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जालंधर पुलिस का कहना है कि वे गुजरात पुलिस के साथ रेड में सहयोग कर रहे थे और आरोपी को उनके हवाले कर दिया गया है।

जांच के दौरान पता चला है कि मुर्तजा अली ने हाल ही में जालंधर के गांधी नगर में 25 मरले का प्लॉट खरीदा था। वह इस जमीन पर करीब 1.5 करोड़ रुपये की लागत से एक आलीशान मकान बनवा रहा था। पुलिस ने जब उसके बैंक खातों की जांच की तो पिछले एक महीने में 40 लाख रुपये का लेन-देन सामने आया है। यह पैसा कहां से आया और किससे जुड़ा है — इस पर जांच एजेंसियों ने अपनी पड़ताल तेज कर दी है।

**फोन में क्या-क्या मिला?**

गुजरात पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, मुर्तजा के मोबाइल से:

भारत-पाक युद्ध से संबंधित संदिग्ध वीडियो

विदेशी नंबरों से बातचीत के रिकॉर्ड

संदिग्ध न्यूज लिंक

कुछ विदेशी ऐप्स का इस्तेमाल

जैसी सूचनाएं मिली हैं, जो अब जांच का विषय हैं। जालंधर पुलिस ने कहा, आरोपी को साइबर अपराध के मामले में गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हमारी टीम ने कार्रवाई में सहयोग दिया। मामले में आगे की जांच गुजरात पुलिस और एटीएस कर रही है। फिलहाल, आरोपी को गुजरात पुलिस अपने साथ ले गई है और उससे गहन पूछताछ जारी है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की नजर अब इस केस पर बनी हुई है। आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

## माउंट एवरेस्ट पर दो पर्वतारोहियों की मौत, भारतीय समेत दो ने गंवाई जान

**काठमांडू । आरएनएस**

दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर इस साल मार्च से मई तक चल रहे पर्वतारोहण सीजन के दौरान दो पर्वतारोहियों की मौत की पुष्टि हुई है। नेपाल के पर्वतारोहण अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों में एक भारत से और दूसरा फिलीपींस से था।

45 वर्षीय भारतीय पर्वतारोही सुब्रत घोष ने एवरेस्ट के 8,849 मीटर (29,032 फीट) ऊंचे शिखर को सफलतापूर्वक फतह कर लिया था, लेकिन गुरुवार को नीचे उतरते समय हिलेरी स्टेप के पास उनकी मौत हो गई।

नेपाल स्थित स्नोई होराइजन ट्रेक्स एंड एक्सपेडिशन कंपनी के आयोजक बोधराज भंडारी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया, वह हिलेरी स्टेप से नीचे आने के लिए तैयार नहीं थे। वहीं उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सुब्रत घोष के शव को बेस कैंप तक लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

गौरतलब है कि हिलेरी स्टेप 8,000 मीटर (26,250 फीट) से ऊपर के उस बेहद जोखिम भरे इलाके में आता है जिसे 'डेथ जोन' कहा जाता है। इस ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर इतना कम होता है कि मानव शरीर के लिए लंबे समय तक जीवित रहना बेहद मुश्किल होता है।

दूसरी ओर, फिलीपींस के 45 वर्षीय पर्वतारोही फिलीप सैंटियागो की मौत बुधवार देर रात साउथ कोल (8,000 मीटर से अधिक) में हुई। नेपाल पर्यटन विभाग के अधिकारी हिमाल गौतम ने बताया कि फिलीप चौथे उच्च शिविर (हाई कैंप) तक पहुंच गए थे, लेकिन अत्यधिक थकान महसूस होने पर वह अपने टेंट में आराम कर रहे थे, तभी उनका निधन हो गया।

ये दोनों पर्वतारोही एक ही अंतरराष्ट्रीय अभियान दल का हिस्सा थे, जिसका आयोजन बोधराज भंडारी द्वारा किया गया था। नेपाल ने इस मौजूदा सीजन के लिए कुल 459 पर्वतारोहण परमिट जारी किए हैं। इस हफ्ते अब तक लगभग 100 पर्वतारोही और उनके गाइड सफलतापूर्वक एवरेस्ट शिखर तक पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करना एक अत्यंत जोखिम भरा अभियान है। खराब मौसम, ऑक्सीजन की कमी, बर्फीले तूफान और अत्यधिक थकान यहां सबसे बड़े खतरे हैं। गुरुवार को भी अचानक मौसम खराब होने की वजह से कई पर्वतारोहियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। हिमालयन डाटाबेस और पर्वतारोहण अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 100 वर्षों में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के दौरान अब तक कम से कम 345 लोगों की जान जा चुकी है। पर्वतारोहण, ट्रेकिंग और पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था के लिए आय और रोजगार के प्रमुख स्रोत हैं।

## बंगाल में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत, 5 झुलसे

**नादिया/जलपाईगुड़ी । आरएनएस**

उमस और गर्मी की मार झेल रहें बंगाल के दो जिलों में बृहस्पतिवार को बिजली गिरने की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य झुलस गए हैं। पहली घटना नदिया जिले के सुत्रगढ़ की है। जहां पित-पुत्र बबई घोष व काशी घोष की बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं बिजली गिरने से झुलसे एक व्यक्ति पगला साधुखां का फिलहाल नादिया के शांतिपुर स्टेट जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार अचानक बारिश होने के कारण उक्त लोगों ने इलाके के एक काली मंदिर के पास एक बड़े बरगद के पेड़ के नीचे शरण ली थी कि घटना घटी। स्थानीय निवासियों ने तीनों को तुरंत शांतिपुर स्टेट जनरल अस्पताल पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने बबाई घोष और काशी दास को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि घायल पगला साधुखां की हालत गंभीर है। वहीं बिजली गिरने से तीसरी मौत उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में हुई, जहां तीन अन्य लोग भी झुलस गए। यह घटना मल्लिकपाड़ा में हुई जहां प्रभात चंद्र रॉय (52) की बारिश के दौरान आकाशी बिजली के शिकार हो गए और उनकी मौत हो गई। जबकि झुसले गए लोगों में बसंती रॉय नामक एक महिला भी शामिल है जो गंभीर रूप से झुसल गई है।

## कर्नल सोफिया कुरैशी-विजय शाह मामले पर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 19 मई को

**नई दिल्ली । आरएनएस**

सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के बाद मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ हाई कोर्ट ने एफआईआर का आदेश दिया था। विजय शाह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन शीर्ष अदालत अब 19 मई को इस पर सुनवाई करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री विजय शाह के वकील मनिंदर सिंह ने कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने के लिए अदालत से समय मांगा है। इस वजह से अगली सुनवाई के लिए 19 मई की तारीख तय की गई है।

कर्नल कुरैशी पर मंत्री विजय शाह ने विवादित टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी के बाद पूरे देश में उनकी आलोचना हो रही है। विपक्ष उन्हें कैबिनेट से बर्खास्त करने की मांग भी उठा रहा है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी को वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ नियमित प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसे उन्होंने बखूबी निभाया। लगातार ब्रीफिंग की वजह से देश में उन्होंने चर्चा बटोरी। उनके खिलाफ दिया गया बयान विजय शाह की असंवेदनशीलता को प्रदर्शित करता है।

विजय शाह ने अपने बयान के लिए माफी भी मांगी है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा है कि कर्नल कुरैशी उनकी सगी बहन से भी बढक़र हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह को लेकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया है। उनके खिलाफ भी पूरे देश में आक्रोश है। उधर, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंत्री विजय शाह को बर्खास्त किए जाने की मांग करते हुए शुक्रवार को कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल मंगू भाई पटेल को एक ज्ञापन सौंपा।

## लापता चार साल की बच्ची की हत्या, सुरंग में मिला शव

❑ दरिंदगी की भी आशंका

**नई दिल्ली । आरएनएस**

हरिद्वार के रोड़ी बेलवाला क्षेत्र से पिछले दिनों लापता हुई एक चार साल की मासूम बच्ची की हत्या कर दी गई है। बच्ची का शव हरकी पैड़ी के पास मनसा देवी मंदिर की ओर जाने वाली सुरंग में मिला। पुलिस को आशंका है कि हत्या से पहले बच्ची के साथ दरिंदगी भी की गई। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। एसएसपी ने इस जघन्य अपराध का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, रोड़ी बेलवाला क्षेत्र में झुग्गी डालकर रहने वाले एक व्यक्ति ने गुरुवार को स्थानीय पुलिस चौकी पर पहुंचकर सूचना दी थी कि उनकी चार साल की बेटी 13 तारीख से लापता है। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से बच्ची की तलाश शुरू कर दी थी।

शुक्रवार सुबह बच्ची के पिता खुद ही अपनी बेटी की तलाश करते हुए मनसा देवी मंदिर की सुरंग में पहुंचे। वहां एक सुनसान कोने में उन्होंने अपनी बेटी का शव पड़ा देखा। पिता ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।

शव के शुरुआती मुआयने से पता चला है कि बच्ची का गला घोटकर हत्या की गई है। इसके अलावा, पुलिस को प्रथम दृष्टया आशंका है कि मासूम बच्ची दरिंदगी का भी शिकार हुई है। हालांकि, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से पहले इस संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ भी कहने से बच रही है।

एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है ताकि मौत के सही कारणों और अन्य पहलुओं का पता चल सके। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीमें हत्यारोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार काम कर रही हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर रही है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे हरिद्वार शहर को झकझोर कर रख दिया है।